Bal Bharati
PUBLIC SCHOOL
Sector – 21, Noida
Phone : 0120-2534064, 2538533 / e-mail : bbpsnd@yahoo.co.in
Website : http : www/bbpsnoida.com

Workshop/Seminar Feedback Form

Workshop/Seminar title: प्रभावपूर्ण हिंदी शिक्षण की युक्तियाँ **Workshop/Seminar Date:** 20.05.19-23.05.19

Venue :बाल भारती पब्लिक स्कूल, पीतमपुरा

Attended by: निशि सौरभ, श्वेता गुप्ता

Resource Person: - श्री सूरज प्रकाश, डॉ• अजय तिवारी, उमेश कुमारी, श्रीमती अंजली गुप्ता, श्रीमती गीता बुधिराजा

Organizer: बाल भारती पब्लिक स्कूल, प्रशिक्षण केन्द्र

Profile of the Resource Person: श्री सूरज प्रकाश –वरिष्ठ निदेशक (बाल भारती पब्लिक स्कूल, पीतमपुरा)
श्रीमती अंजली गुप्ता –हिंदी अध्यापिका (मॉडर्न स्कूल, दिल्ली)
श्रीमती उमेश कुमारी –हिंदी विभागाध्यक्ष(बाल भारती पब्लिक स्कूल, नोएडा)
डॉ• अजय तिवारी–सेवानिवृत्त प्रोफेसर एवं लेखक (दिल्ली विश्वविद्यालय)
श्रीमती गीता बुधिराजा–सेवानिवृत्त, हिंदी अध्यापिका(बाल भारती पब्लिक स्कूल, पीतमपुरा)

1. Content of the Workshop/Seminar

(प्रथम दिवस–20 / 05 / 19)

कार्यशाला में सर्वप्रथम विषय-विशेषज्ञों द्वारा स्वयं का परिचय दिया गया तत्पश्चात मूल विषय आधारित चर्चा प्रारंभ की गई ।

प्रथम सत्र- विषय-विशेषज्ञ- **श्रीमती अंजलि गुप्ता (पाठ योजना)**

- पाठ योजना की अवधारणा व महत्त्व से परिचित कराया गया ।
- पाठ योजना का प्रारूप प्रदान किया गया ।
- अपने सहकर्मी शिक्षकों से विचार-विमर्श के उपरांत एक शिक्षिका द्वारा एक कक्षा स्तर के लिए पाठ योजना का निर्माण करने व उसे आपस में साझा करने पर बल ।
- एक कक्षा के सभी वर्गों में पढ़ाए जाने वाले पाठों की पाठ योजना समान हो ।
- 'लखनवी अंदाज़' कहानी का उदाहरण प्रस्तुत कर रोचक ढंग से शिक्षण करने हेतु भिन्न-भिन्न गतिविधियों के प्रयोग पर बल ।

द्वितीय सत्र - विषय-विशेषज्ञ- **श्रीमती उमेश कुमारी (व्याकरण और रचनात्मक लेखन)**

- अनुस्वार व अनुनासिक, रेफ, पदेन व ऋ की व्याख्या, पहचान के तरीके व प्रयोग के स्थान से परिचित कराना ।
- मानक वर्तनी को ध्यान में रखकर हिंदी भाषा के शुद्ध लेखन एवं उच्चारण पर बल ।
- भाषा शिक्षण अधिगम में होने वाली व्याकरण सम्बन्धी गलतियों के कारण जानने पर बल ।
- छात्रों की कल्पनाशक्ति को विकसित करते हुए उन्हें भावाभिव्यक्ति के अवसर प्रदान करना ।
- चित्र वर्णन, आपसी संवाद जैसे क्रियाकलापों के माध्यम से छात्रों की सृजनात्मक क्षमता के विकास पर बल ।

तृतीय सत्र - विषय-विशेषज्ञ- **श्री अजय तिवारी (मध्यकालीन कविता)**

- हिंदी की विशेष पत्रिकाओं एवं कवियों पर चर्चा ।
- हिंदी साहित्य की व्याख्या एवं उसके प्राचीन व नवीन रूप के अध्ययन पर बल ।
- मध्यकालीन व आधुनिक काल के कवियों के मध्य अंतर प्रकट करने वाले कारणों का स्पष्टीकरण ।
- साहित्य में समयानुसार निश्चित रूप से परिवर्तन व विकास की आवश्यकता पर बल ।

(द्वितीय दिवस–21/05/19)

प्रथम सत्र - विषय-विशेषज्ञ- **श्रीमती अंजलि गुप्ता (प्रकरण – मंचन और शिक्षण)**

- छात्रों को अभिनय के माध्यम से आत्माभिव्यक्ति के अवसर प्रदान करने पर बल ।
- रटंत पद्धति के स्थान पर नाटक व कहानी मंचन के माध्यम से व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करने की सीख ।
- कक्षा में काव्य शिक्षण के उपरांत मंचन पर आधारित सामूहिक गतिविधियों का आयोजन कर छात्रों के अधिगम स्तर का मूल्यांकन करने की प्रेरणा ।
- अभिनय के माध्यम से सृजनात्मकता को बढ़ावा दें |

द्वितीय सत्र - विषय-विशेषज्ञ- **श्रीमती उमेश कुमारी (प्रकरण – 2005 एन.सी.एफ भाषा शिक्षण)**

- 2005 राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की सरंचना पर चर्चा ।
- भाषा शिक्षण हेतु 2005 राष्ट्रीय पाठ्यचर्या के पाँच निर्देशक सिद्धांतों की व्याख्या ।
- छात्रों की कल्पना शक्ति व स्वेच्छा से पढ़ने-लिखने की प्रवृत्ति को विकसित करने पर बल ।
- भाषा की उच्चारण संबंधी समस्याओं के निराकरण पर विचार-विमर्श ।
- त्रुटि-विश्लेषण करना तथा उनका निदान प्रसन्नतापूर्वक करने पर ज़ोर ।
- कला (चित्रकला, संगीत, अभिनय) को समन्वित करते हुए भाषा शिक्षण की प्रेरणा ।
- छात्रों को कहानी की पुस्तकों की पर्याप्त जानकारी प्रदान कर, उनके पठन-पाठन द्वारा नैतिक मूल्यों के विकास पर बल ।
- भाषा शिक्षण में तकनीकी (कंप्यूटर) को भी सम्मिलित किया जाए ।

तृतीय सत्र - विषय-विशेषज्ञ- **श्री अजय तिवारी (आधुनिक कविता)**

- आधुनिक कविता की प्रमुख पहचान है 'संवेदना' पर चर्चा ।
- गद्य व पद्य में अंतर की व्याख्या ।
- विम्ब विधायिनी वाणी ही काव्य की पहचान ।
- कविता, नाटक व कथा के मध्य अंतर स्पष्टीकरण ।
- कविता सम्प्रेषण की गतिशील प्रक्रिया है।

(तृतीय दिवस–22/05/19)

प्रथम सत्र– विषय विशेषज्ञ– श्री सूरज प्रकाश (शिक्षक का महत्तव)

- अध्यापक, शिक्षक, आचार्य, गुरु का अर्थ व स्पष्टीकरण।
- शिक्षक ही विद्यार्थी के जीवन में परिवर्तन ला सकता है।
- अध्यापक का पद सम्माननीय , समाज का आज भी शिक्षक पर विश्वास, सभी सर्वेक्षणों में अध्यापन कार्य सर्वश्रेष्ठ।
- कक्षा शिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित करना तथा उनमें सकारात्मक सोच को विकसित करना।
- **आदर्श अध्यापक के गुण**– गहन गंभीर ज्ञान, स्वाध्याय, संप्रेषण, विद्यार्थी को समझना, विनम्रता आदि।
- अध्यापकों को जीवन में 'मनसाः वाचाः कर्मणा' आत्मसात करने पर बल देना।

द्वितीय सत्र– विषय विशेषज्ञ– सुश्री अंजली गुप्ता (हिंदी कविता को रुचिपूर्वक पढ़ाने की युक्तियाँ)

'उर्मिला का वनवास' तथा **'खाना बनाती स्त्रियाँ'** कविता के उदाहरण के माध्यम से भावाभिव्यक्ति पर बल।

- कविता का अर्थ तथा स्पष्टीकरण।
- विद्यार्थियों में गति, लय, भावयुक्त वाचन की योग्यता प्रदान करना।
- विद्यार्थियों में कल्पनाशीलता का विकास कर उनको सृजनात्मक बनाना।
- कविता का संबंध रागों से स्थापित करना।

- कविता के माध्यम से शिक्षण को रुचिकर बनाने की युक्ति शिक्षण प्रक्रिया में प्रभावशाली होगी।
- कविता के सभी बिन्दुओं (लयबद्धता, अर्थ, अभिनय, व्याख्या, समीक्षा, तुलना) के प्रस्तुतीकरण पर बल।

तृतीय सत्र– विषय विशेषज्ञ– डॉ• अजय तिवारी (काव्य की उत्पत्ति)

- अच्छी कविता भावोत्तेजना के साथ–साथ ज्ञान भी प्रदान करती है और विवेक जागृत करती है।
- काव्य का जन्म मानववाद के साथ होता है।
- आदि कवि वाल्मीकि ने ही पहली बार मंत्र की जगह श्लोक बनाए।
- विशुद्ध कल्पना से कविता का निर्माण नहीं किया जा सकता।
- भाव की अतिशयता रहस्यवाद का मूलाधार है।

(चतुर्थ दिवस–23/05/19)

प्रथम सत्र– विषय विशेषज्ञ– डॉ• अजय तिवारी (संवादात्मक सत्र)

- कविता में भाव का संकलन होता है और गीत में भाव का प्रवाह होता है।
- चित्रमयता अभिव्यक्ति का साधन है।
- साहित्य के उद्देश्यों पर विचार–विमर्श, क्लोज़ परिक्षण, शिक्षण प्रक्रिया, आंकलन।
- कविता निष्प्रयोजन होती है।
- कला का सौंदर्य आंतरिक है बाह्य नहीं।
- कविता को सांस्कृतिक व्यापार माना जाता है।
- जीवन की विडम्बना कविता की विषयवस्तु है।

द्वितीय व तृतीय सत्र– विषय विशेषज्ञ– सुश्री गीता बुधिराजा (व्याकरण भाषा का संबंध)

- पाठ्य पुस्तक का सोद्देश्य उपयोग।
- व्याकरण अलग से न कराकर पाठ के साथ ही कराए जाने पर बल।
- रचनात्मक लेखन में शुद्ध, सरल हिंदी का प्रयोग कर त्रुटि रहित वाक्य निर्माण पर बल।
- पाठ्यक्रम संबंधी हस्त पत्रकों का वितरण तथा चर्चा/परिचर्चा, प्रश्न–पत्र निर्माण से संबंधित समस्याओं का समाधान।
- अनुस्वार के स्थान पर पंचम वर्ण का ज्ञान, संज्ञा, सर्वनाम, कारक, संधि, समास आदि विषयों पर चर्चा/परिचर्चा द्वारा शंका समाधान।

2.Learning outcomes (Knowledge and Information) from the workshop/Seminar?

- **बच्चों की सोच को बहु-आयामी बनाएँ तथा लीक से हटकर चलने को प्रोत्साहित करें|**
- **राष्ट्रीय पाठ्यचर्या के अनुसार भाषा शिक्षण के उद्देश्य को समझकर उन्हें व्यवहार में अपनाएँ ।**
- **अभिनय के माध्यम से सृजनात्मकता को बढ़ावा दें |**
- **हाव भाव व लय के साथ कविता वाचन करना ।**
- **स्वाध्याय की प्रवृत्ति विकसित की जाए ।**
- **काव्य शिक्षण द्वारा मानवीय गुणों का विकास किया जाए ।**
- ज्ञान में वृद्धि के साथ–साथ बच्चों की सोच को सकारात्मक बनाएँ।
- पठित गद्य को आधार मानकर उदाहरणों द्वारा व्याकरण सिखाना।
- विद्यार्थियों के स्तर को ध्यान में रखते हुए पढ़ाना तथा उनकी शंका का समाधान करना।
- विद्यार्थियों को अच्छे कार्यों के लिए व प्रतिदिन एक उत्तम प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित करना।

3.Which topics or aspects of the workshop/Seminar did you find most interesting or useful and can be applied to the classroom teaching?

- पाठ योजना का निर्माण अपने सहकर्मियों के साथ विचार विमर्श करके किया जाए ।
- मंचन द्वारा भाषा शिक्षण ।
- व्याकरण शिक्षण के समय नवीन युक्तियों का समावेश करें |
- कला को समन्वित करते हुए शिक्षण कार्य ।
- छात्रों को खेल-खेल में रोचक ढंग से विषय का ज्ञान कराना ।
- रचनात्मक लेखन में शुद्ध, सरल हिंदी का प्रयोग करना सिखाना।
- विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने की आज़ादी प्रदान करना और उनकी जिज्ञासा की पुष्टि करना।
- विद्यार्थियों को चुनौतियों का सामना करने के लिए नए अवसर प्रदान करना।
- कक्षा को विभिन्न समूहों में विभाजित कर पढ़ाना व नवीन युक्तियों का समावेश करना।

4.How will you implement the knowledge & techniques acquired to your subject?

- कक्षागत विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से भाषा के शुद्ध स्वरूप से परिचित कराना ।
- हिंदी साहित्य के प्रति रुचि उत्पन्न करना ।
- क्षेत्रीय व विदेशी भाषाओं की अनूदित कहानियों के पठन-पाठन संबंधी मार्गदर्शन देना।
- भाषा के सरलतम प्रयोग के द्वारा छात्रों को सहज अभिव्यक्ति के लिए प्रोत्साहित करना ।
- अच्छे व आधुनिक लेख पढ़ने और लिखने के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया जाएगा।
- विद्यार्थियों में कविता के सस्वर एवं भावयुक्त वाचन की योग्यता प्रदान की जाएगी।
- समयानुसार कार्यपूर्ण करने की प्रवृत्ति पर बल दिया जाएगा।

5.Comments and suggestions (How do you think the workshop/Seminar could have been made more effective?)

- विषय वस्तु के साथ शंकाओं के समाधान हेतु अतिरिक्त अवसर प्रदान किए जाने चाहिए ।
- गतिविधियों का प्रयोग काव्य शिक्षण में बहुत कम किया गया ।

Was the advance briefing about the workshop/Seminar appropriate?

जी हाँ, कार्यशाला अपने उद्देश्य में पूर्ण रूप से सफल, सक्षम एवं प्रभावशाली रही।

GENERAL FEEDBACK	YES
• The workshop/Seminar was applicable to my job	√
• I will recommend this workshop/Seminar for other faculty members.	√
• The program was well paced within the allotted time	√
• The material was presented in an organized manner	√
• The resource person was a good communicator	√
• The resource person was knowledgeable on the topic	√
• I would be interested in attending a follow-up, more advanced workshop / Seminar on this same subject	√
• I will be able to conduct follow up workshop for the benefit	√

of fellow Staff Members

GLIMPSES FROM THE WORKSHOP (Photographs with captions)

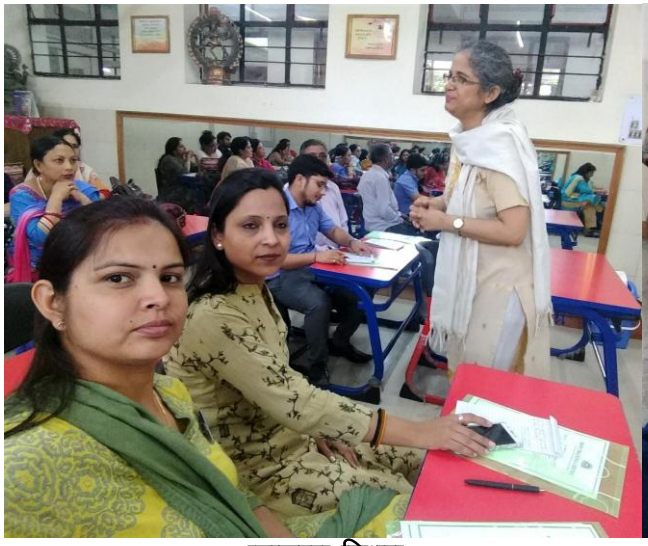

व्याकरण शिक्षण

अभिनय द्वारा भाव–अभिव्यक्ति

सहित्य शिक्षण

प्रो0 अजय तिवारी जी के साथ फोटो

Report submitted by- NISHI SOURABH , SWETA GUPTA

Signature

Name- NISHI SOURABH , SWETA GUPTA
Designation-T.G.T-HINDI